

खबर संक्षेप

शासकीय आईटीआई मंडला में प्लेसमेंट ड्राइव, 60 अभ्यर्थियों का चयन

मण्डला। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मंडला में मारुति सुजुकी मोटर्स गुजरात द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें आईटीआई मंडला के विभिन्न ट्रेडों से पासआउट 85 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान कंपनी द्वारा लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार लिया गया, जिसमें सफल 60 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी द्वारा एक वर्षीय अप्रेंटिसशिप के दौरान स्ट्राइपेंड के रूप में 21 हजार 200 रुपये प्रतिमाह तथा एफटीसी के लिए 28 हजार 300 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। इसके साथ ही अन्य आवश्यक सुविधाएं भी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाएंगी।

मण्डला जिले में अब तक 796.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज

मण्डला। भू-संसाधन प्रबंधन कार्यालय, कलेक्टर जिला मण्डला द्वारा जारी दैनिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार, 1 जून 2026 से 19 अगस्त 2026 तक जिले में कुल औसत वर्षा 796.3 मिमी दर्ज की गई है। यह आंकड़ा जिले की सामान्य औसत वर्षा (1326.2 मिमी) का 60.04 प्रतिशत है। वहीं, बीते वर्ष इसी अवधि तक जिले में 1239.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी, जिसके मुकाबले इस वर्ष वर्षा में 35.7 प्रतिशत की कमी आई है। 19 अगस्त को जिले में औसतन 8.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई, निवास में 16.4 मिमी, नारायणगंज में 16.0 मिमी, बिछिया में 12.6 मिमी, घुघरी में 2.6 मिमी, मण्डला में 2.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

मंडला प्रधान डाकघर में पासपोर्ट सेवा केंद्र की सुविधा उपलब्ध.....

मण्डला। नागरिकों को पासपोर्ट संबंधी सेवाएं उनके निकट उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डाक विभाग एवं विदेश मंत्रालय के सहयोग से मंडला प्रधान डाकघर में पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे मंडला एवं आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को पासपोर्ट संबंधी सेवाओं के लिए दूर स्थित केंद्रों पर जाने की आवश्यकता कम हुई है। मंडला पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र में नए पासपोर्ट, पासपोर्ट के पुनः जारीकरण तथा पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट सहित उपलब्ध विभिन्न पासपोर्ट सेवाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया में सुविधा प्रदान की जाती है। नागरिकों को आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों तथा अपॉइंटमेंट से संबंधित मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाता है। डाक विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि पासपोर्ट संबंधी सेवाओं के लिए अनधिकृत एजेंटों अथवा बिचौलियों पर निर्भर न रहे तथा निर्धारित सरकारी प्रक्रिया एवं शुल्क के अनुसार ही सेवाओं का लाभ लें। पासपोर्ट सेवा से संबंधित अधिकृत जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन के लिए नागरिक पासपोर्ट सेवा पोर्टल का उपयोग कर सकते हैं।



कार्यशाला

नर्मदा बेसिन में जलीय जैव विविधता और देशज ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण पर कार्यशाला।

मछली पकड़ने देशज उपकरणों की लगी प्रदर्शनी

* नर्मदा समग्र न्यास के प्रयास से हुआ आयोजन।

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

सीजीआईएचएर के मल्टीफंक्शनल लैंडस्केप साइंस प्रोग्राम के अंतर्गत वर्ल्डफिश और नर्मदा समग्र न्यास के संयुक्त प्रयासों से आज मंडला में ‘नर्मदा नदी बेसिन में जलीय जैव विविधता और स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों के सहयोगात्मक संरक्षण’ विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों के साथ छात्र-छात्राएं, कॉलेज के प्रोफेसर, शोधार्थी, कृषक एवं मछुआरा समुदाय के सदस्य शामिल हुए। कृषि, मत्स्य, जनजातीय एवं वन विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी कार्यशाला में उपस्थित रहे।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में वर्ल्ड फिश के मुख्यालय से पथारी मुख्य अतिथि डॉ. शू जियाउ तेओ, मध्यप्रदेश राज्य वन्यजीव बोर्ड के सदस्य डॉ. सुदेश वाघमारे, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई की प्रो. समाप्ति गुहा, डॉ.



एडवर्कंडी मीथल रेजी, कृषि विभाग मंडला की उप संचालक सुश्री अंजू कुड़ापे, आईसीआरआईएसएटी के कंसल्टेंट विशाल सिंह तथा मत्स्य विभाग के प्रयागराज वेद सहित अन्य विशेषज्ञ उपस्थित थे। कार्यशाला का शुभारंभ माँ नर्मदा की पूजा, दीप प्रज्वलन एवं नर्मदाटक के साथ हुआ। कार्यशाला के आरम्भ में पारंपरिक लोक नृत्य कर्मा स्थानीय वनवासियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके बाद डॉ. कार्तिक सप्रे ने कार्यशाला की भूमिका और उसके उद्देश्य पर प्रकाश डाला साथ ही नर्मदा

समग्र द्वारा किए जा रहे कार्यों के माध्यम से मल्टी फंक्शनल लैंडस्केप के संदर्भ में स्थानीय लोगों को अवगत कराया। वर्ल्ड फिश से अग्रान समद्व सहित अन्य विशेषज्ञों ने नर्मदा बेसिन में मछली पालन, नदी के स्वास्थ्य और जलीय जैव विविधता के संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। कार्यशाला में मछुआरा समुदाय की नर्मदा नदी पर निर्भरता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य, पारिस्थितिक एवं आर्थिक संतुलन, देशज एवं पारंपरिक ज्ञान का महत्व, मछली एवं झींगा पालन की तकनीक तथा

कृषि और नदी के स्वास्थ्य के बीच संबंध जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। मछुआरा समुदाय और अन्य प्रतिभागियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए क्षेत्र की समस्याओं और संभावित समाधानों पर विचार-विमर्श किया। कार्यशाला का एक महत्वपूर्ण आकर्षण पारंपरिक मछली पकड़ने के देशज उपकरणों की प्रदर्शनी रही। इसमें टोन जाल, तांगड़ जाल, झूलनी जाल, घुमाक जाल, पिलना जाल आदि पारंपरिक उपकरण प्रदर्शित किए गए। इन उपकरणों के माध्यम से मछुआरा समुदाय के

पीढ़ियों से चले आ रहे ज्ञान और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित पारंपरिक तकनीकों को समझने का अवसर मिला। इस कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य मछुआरा समुदाय के देशज ज्ञान, पारंपरिक तकनीकों और अनुभवों का दस्तावेजीकरण एवं संकलन करते हुए उन्हें आधुनिक वैज्ञानिक सोच से जोड़ना रहा, ताकि नर्मदा नदी की जलीय जैव विविधता के संरक्षण, टिकाऊ मत्स्य पालन और नदी के बेहतर स्वास्थ्य के लिए उपयोगी नीतियों एवं कार्ययोजनाओं का निर्माण किया जा सके।

स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन का लिया जायजा

संभागायुक्त ने बिछिया विकासखंड का किया निरीक्षण



* दस्तक अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निर्देश।

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

जबलपुर संभागायुक्त धनंजय सिंह ने कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के साथ मंडला जिले के बिछिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चरगांव और मांगा का सघन भ्रमण कर विभिन्न शासकीय योजनाओं और सेवाओं के जमीनी क्रियान्वयन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें मिल रही योजनाओं तथा सेवाओं की जानकारी ली।

भ्रमण के दौरान संभागायुक्त ने चरगांव स्थित उचित मूल्य की दुकान का निरीक्षण करते हुए राशन वितरण व्यवस्था को परखा। इसके साथ ही उन्होंने उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के

हितग्राहियों से चर्चा कर योजना के लाभ संबंधी जानकारी ली। क्षेत्र में संचालित नल-जल योजना और हैंडपंपों की जानकारी लेते हुए उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सभी पेयजल स्रोतों में नियमित क्लोरीनेशन एवं वाटर टेस्टिंग की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं के मूल्यांकन के तहत उन्होंने चरगांव के आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया और बच्चों से चर्चा कर उनकी शिक्षा व आहार व्यवस्था को समझा। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं सीडीपीओ, सुपरवाइजर को केंद्रों का नियमित निरीक्षण कर पंजी में निरीक्षण टीप दर्ज करने तथा बच्चों को समय पर पोषण आहार, नाश्ता एवं मध्याह्न भोजन गुणवत्तापूर्ण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिर के निरीक्षण में उपलब्ध दवाओं, टीकाकरण और स्वास्थ्य सेवाओं

की समीक्षा की गई। संभागायुक्त ने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि एएससी पंजीयन की नियमित मॉनिटरिंग करें और गर्भवती महिलाओं को समय पर अन्य आवश्यक सेवायें उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। संभागायुक्त धनंजय सिंह ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मांगा का भ्रमण किया, जहां स्मार्ट क्लास का अवलोकन करने के साथ ही विद्यार्थियों से चर्चा कर शैक्षणिक गुणवत्ता का आंकलन किया। तत्पश्चात राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह शासकीय बालक आश्रम शाला मांगा के निरीक्षण के दौरान बच्चों से भोजन, नाश्ते और आवासीय सुविधाओं की जानकारी ली तथा विभागीय अधिकारियों को आश्रमों के नियमित निरीक्षण कर निर्धारित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त धनंजय सिंह ने स्कूलों, छात्रावासों में

खेलकूद गतिविधियों के लिए बच्चों को प्रोत्साहित किए जाने

हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए।

शिक्षकविहीन स्कूलों का भी लिया जाये जायजा

जिले के स्कूलों की स्थिति यह है कि जिला मुख्यालय और उसके समीप की शालाओं में आवश्यकता से अधिक शिक्षक पदस्थ हैं जिनकी संख्या 316 बताई जाती है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत सी शालायें या तो एक शिक्षकीय हैं या फिर अतिथि शिक्षकों के सहारे संचालित हो रही हैं। पिछले दिनों बैगा विकास प्राधिकरण की बैठक में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे द्वारा ये निर्देश दिये गये थे कि अतिशेष शिक्षकों को प्राथमिकता के आधार पर शिक्षकविहीन एवं शिक्षक की कमी वाले विद्यालयों में पदस्थ किया जाये ताकि विद्यार्थियों को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके। जबलपुर संभागायुक्त धनंजय सिंह एवं कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे द्वारा बिछिया विकासखण्ड का दौरा किया गया उनके द्वारा विकासखण्ड में शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की मैदानी हकीकत देखी गई। स्थानीय अभिभावकगण को इंतजार था कि यहां की शालाओं की वास्तविक स्थिति भी देखी जाती यह जाना जाता कि इस विकासखण्ड में ऐसी कितनी शालायें हैं जहां एक ही शिक्षक 5-5 कक्षाओं में अध्ययन कार्य करा रहा है और ऐसी कितनी शालायें हैं जहां सिर्फ अतिथि शिक्षक के भरोसे देश के भावी भविष्य को तैयार किया जा रहा है निश्चित रूप से बड़े अधिकारी दौरे के समय यदि शालाओं में व्याप्त अव्यवस्था को गंभीरता से लेते हैं तो शिक्षकों की कमी का रोना एक इतिहास बनकर रह जायेगा।

समूह की दीदियों ने कलेक्टर को वैदिक राखियों का गिफ्ट हैम्पर भेंट किया

* कलेक्टर श्री धोटे ने गोदर से बनी इको-फ्रेंडली राखियों की सराहना की।

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

नैनपुर विकासखंड के ग्राम सरौ की स्वदेशी स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर जिला कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर समूह की दीदियों ने कलेक्टर श्री धोटे को गाय के गोबर से निर्मित पर्यावरण-अनुकूल वैदिक राखी का गिफ्ट हैम्पर भेंट किया। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने इस अभिनव एवं स्वदेशी प्रयास की



मुक्तकंठ से सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने स्थानीय स्तर पर निर्मित इन पर्यावरण-हितैषी राखियों के व्यापक प्रचार-प्रसार और बिक्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगामी आयोजित होने वाली समय-सीमा की बैठक में योजना भवन परिसर में

वैदिक राखी का विशेष स्टॉल लगाने के निर्देश दिए हैं। मुलाकात के दौरान स्वदेशी स्वयं सहायता समूह की सदस्य सुमन बंदेवार, रागनी अर्वाध्या, संगीता सिंगराहा, मुस्कान रघुवंशी, पूनम रघुवंशी, रचना भांवरे एवं निकिता उलारी उपस्थित थे।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए अनंतिम सूची ऑनलाईन चयन पोर्टल पर प्रकाशित

हरिभूमि न्यूज | मण्डला

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति के लिये अनंतिम सूची ऑनलाईन चयन पोर्टल पर प्रकाशित की गई है। आवेदिकाएं अनंतिम सूची प्रकाशन के एक सप्ताह के भीतर ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से ही दावा आपत्तियाँ प्रस्तुत कर सकती हैं।

परियोजना बीजाडांडी जिला मण्डला महिला एवं बाल विकास की परियोजना अधिकारी सुश्री

मनीषा तिवारी ने बताया कि महिला एवं बाल विकास परियोजना बीजाडांडी के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति के लिये आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के बीजाडांडी में 3 पद एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के 4 पद हेतु कुल 7 पदों के एम.पी. ऑनलाईन चयन पोर्टल के माध्यम से अनंतिम सूची 18-19 अगस्त 2026 को प्रकाशित की गई है। आवेदिकाओं से अनंतिम सूची प्रकाशन के एक

सप्ताह के भीतर ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से दावा आपत्तियाँ प्राप्त की जायेंगी। दावा आपत्तियाँ ऑफलाईन कार्यालय में मान्य नहीं की जायेगी। यदि किसी आवेदिका को दावा आपत्ति प्रस्तुत करनी है तो निर्धारित समय सीमा में ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से की जा सकती है। जिस ग्राम में विशेष जनजाति बैगा आवेदिकाओं द्वारा आवेदन प्राप्त हुए एवं नियुक्ति संबंधी पात्रता रखती हैं तो नियमानुसार उन्हें प्राथमिकता दी गई है।

BFC बिछिया फुटबॉल क्लब की प्रथम तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का रोमांचक समापन

हरिभूमि न्यूज | मण्डला | मुआबिछिया

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर BFC बिछिया फुटबॉल क्लब के तत्वावधान में आयोजित प्रथम सीजन की तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का रोमांचक एवं सफल समापन हुआ। बिछिया क्षेत्र में पहली बार आयोजित इस प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों के साथ-साथ खेलप्रेमियों में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में खेलप्रेमी मुकाबलों का रोमांच देखने पहुंचे। प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें ने हिस्सा लिया, जिन्हें दो पूर्णों में विभाजित किया गया। पूल-ए में जांतीपुर (मंडला), मल्टी स्टार मवई, बसनी एवं खुसीपार तथा पूल-बी में बिछिया, भड़ंगा, सिझोरा एवं खैरी टिकरिया की टीमें ने हिस्सा लिया। तीन दिनों तक चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। बहुरतिष्ठित फाइनल मुकाबला मल्टी स्टार मवई एवं बिरसा मुंडा



स्पोर्ट्स क्लब, खैरी टिकरिया के बीच खेला गया। 35-35 मिनट के दो हाफ में खेले गए मुकाबले में दोनों टीमें ने शानदार प्रदर्शन किया। कई प्रयासों के बावजूद निर्धारित समय तक कोई गोल नहीं हुआ और मुकाबला 0-0 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया। पहले चरण में दोनों टीमें 4-4 और दूसरे चरण में 2-2 की बराबरी पर रहें। अंततः सांसों थाम देने वाले गोल्डन पेनल्टी में

मल्टी स्टार मवई ने निर्णायक गोल दागकर जीत हासिल की और BFC बिछिया फुटबॉल क्लब की प्रथम प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कारों से सम्मानित किया गया जिसमें बेस्ट स्ट्राइकर-ओमकार, बेस्ट गोलकीपर-नैन सिंह धुवें, प्लेयर ऑफ द मैच-उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी, प्लेयर ऑफ द सीरीज-प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी शामिल रहे। फाइनल मुकाबले की मैच बॉल कमल किशोर आर्मां द्वारा प्रदान की गई। विजेता मल्टी स्टार मवई को प्रथम पुरस्कार के रूप में 5,100 एवं कप, जबकि उपविजेता बिरसा मुंडा स्पोर्ट्स क्लब, खैरी टिकरिया को 2,550 एवं कप प्रदान किया गया।



नाबालिक धड़ल्ले से दो पहिया वाहनो से फरटि मारते हुये पहुंच रहे स्कूल



हरिभूमि न्यूज़/गाडरवारा। अवसर देखा जाता है कि जब भी सड़क सुरक्षा को लेकर बैठकों का आयोजन होता है तो वहां पर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिये बड़ी बड़ी बातें होने से नहीं चुकती हैं। उन बैठकों में मुख्य रूप से वह लोग भी शामिल रहते हैं जो अपने बच्चों के लाइफर के सामने झुकते हुये नाबालिग होने के बाद भी उनके हाथों में वाहनो की चाबी सौंपने में पीछे नहीं रहते हैं। इसी का परिणाम है कि सड़क सुरक्षा के नाम पर आयोजित होने वाले बैठकों व अभियानों पर गहन लगने से नहीं चुक पाता है और बैठक मात्र औपचारिकता पूर्ण बनकर रह जाती है..? गौर किया जावे शहरों से लेकर हर गांवों में बढ़ती वाहनो की संख्या और तेज गति से वाहनो का सड़कों पर दोड़ना वैसे ही दुर्घटनाओं का आमंत्रण देते दिखाई दे रहा है..? वहीं दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर हो या फिर ग्रामीण क्षेत्रों को पहिया वाहन चालाना दूसरों के लिए खतरा बना हुआ है। क्योंकि इस समय नगर में देखा जावे तो अनेक जगहों अनेक स्कूलों 18 वर्ष से कम आयु वाले चेकडि किशोर व किशोरियां वाहन चलाते दिखाई देना आम बात बन चुकी है। इसे अभिमावक का बखाने के प्रति लगाव कहे या फिर भीतिभ्रम का डौद में दिखावा को बिना लाईसेंस के वाहन चला रहे कम उम्र के नाबालिग बालक बालिका नसमझी में बदलने का शिकार हो सकते हैं साथ ही साथ इनकी नदानी से दूसरों की जिन्दगी भी खतरे में पड़ने से नहीं चुक रही है..? अवसर देखा जाता है कि इन बच्चों में आगे निकलने की होड़- स्कूलों विद्यार्थी स्कूल आते जाते समय एक दूसरे से जागे निकलने के लिए रेस लगाते हुये तो देखे ही जाते हैं। साथ ही बाइक की गति और सड़को पर अलोक्य करतबों का प्रदर्शन भी भीड़ भरी

सड़को पर रोजना करते हुए आसानी से देखे जाते हैं। मगर हेरत की इस बात की है कि इनके अभिमावक से लेकर स्कूल प्रश्न भी इन खतरों से मलि माति वाकिफ है. इसके बाद भी चुप्पी मासूमों की जिन्दगी को खतरे में ले जाने से नहीं चुक रही है..? इस प्रकार भीतिक संसाधनों के उपयोग और थैड़ी सी लापरवाही को जानकार भी अनजान बने हुए हैं। स्कूल लगने व छुटने के समय नगर की सड़को पर देखा जावे तो स्कूलों ड्रेस के साथ कई किशोर व किशोरियां जिनकी उम्र की बात तो दूर जिस वाहन पर वह बैठे हुए होते हैं उनका बाइक व स्कूटी के बैकों तक पैर तक नहीं पहुच पाते मगर इसके बाद भी उसे नगर की सड़कों पर फरटि मारते हुये आसानी से देखा जा सकता है। इतना ही नहीं यह लोग नगर के प्रमुख मार्गों पर हॉन बजाते हुए और तेज गति से वाहन दौड़ाते हुए रोजाना देखे जा सकते हैं। कई मौकों पर तो ये किसी दुर्घटना का शिकार होते होते बच जाते हैं..? मगर इस और न तो प्रशासन ध्यान दे रहा है और नही उनके अभिमावक जिसके चाने वाहन दौड़ाने वाले बच्चों के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी के लिए भी खतरा पैदा होते हुए जान पड़ रहा है..? यह बात अलग है कि जब उच्च स्तर से आदेश आते हैं तो नगर का प्रशासन बच्चों को समझाईश देने के लिये स्कूलों में पहुंचकर 18 साल से कम उम्र वाले बच्चों को नगर न चराने की हितायत देते हुये जरूरी सुना जाता है। मगर अधिकारियों द्वारा किये जाने वाली यह लापरकवा मात्र औपचारिकता पूर्ण होने के साथ साथ अपने विरुद्ध अधिकारियों को फोटो भेजने तक ही सीमित होने रहने से नहीं चुक पाते हैं। इसी का परिणाम में की नगर की शिक्षण संस्थाओं में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे लगेअन यातायात नियमों की धडिच्यों उड़ाते हुये स्कूलों में वाहन लेकर पहुंचते हुये देखे जा रहे हैं। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये समय में अनेकों पर जब जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा स्थानियों बानों में जनता के बीते सवक कार्यक्रमों का आयोजन आयोजित किये गये उस दौरान इस तरह नाबालिग किशोर व किशोरियां द्वारा

वाहनो से स्कूल जाने की बात का मुद्दा प्रमुखता से सामने रखे जाने पर अधिकारियों को यह भरोसा दिलाते हुये जरूर सुना जाता रहा है कि अब यदि इस तरह जिन स्कूलों में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे बाइक या स्कूटी चलाते हुये स्कूल जाते हुये दिखाई देते हैं तो शिक्षण संस्था प्रबंधन बच्चों के अभिमावक िनके द्वारा अपने नाबालिग बच्चों के हाथों में इस तरह वाहन सौंपते हुये बच्चों के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी को खतरा पैदा कर रहे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जावेगी। यातायात पुलिस अधिकारियों का यह भरोसा मात्र बैठकों तक ही सीमित रहने का परिणाम है कि आज तक न तो इस तरह सड़को पर वाहन चलाने वाले किसी नाबालिग किशोर व किशोरियों तथा संबंधित शिक्षण संस्था के साथ उनके अभिमावकों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई होते हुये देखी गई है। इसी का परिणाम है कि इस तरह नगर में खुलेआम हाई फाई संस्थाओं के नाबालिग छात्राओं को शहर की सड़को पर अपनी स्कूलों ड्रेस के साथ धड़ल्ले से वाहन दौड़ाते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है..? इस सच्चाई को देखकर लोग हेरत में तो उस समय पड़ने से नहीं चुक पाते हैं। जम इस तरह कम उम्र के नाबालिग किशोर व किशोरियां जिन्मेदार अधिकारियों के कार्यालयों के समान से ही अपने दो पहिया वाहनो को फरटि के साथ निकलते हुये देखे जाते हैं। इस सच्चाई को लेकर जब आमजन से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि यदि नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार लाना है तो यातायात पुलिस प्रशासन द्वारा सखसे पहले तो उन स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करना चाहिये जिन स्कूलों में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे दो पहिया वाहन लेकर स्कूल पहुंच रहे हैं। क्योंकि इस तरह 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चें जब दो पहिया वाहन चलाते हुये स्कूल जाते हैं तो वह स्कूलों ड्रेस में होने के कारण उनकी पहचान आसानी से की जा सकती है। मगर स्कूल प्रबंधन व पेहरेदारों की उदासीनता के चलते नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार होने की जगह बढ़हाल होते हुये देखा जा रहा है।

राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के दो दिवसीय आयोजन का आज सांईखेड़ा में कलेक्टर करेगी शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज़/सांईखेड़ा। निश्चित तौर से देखा जावे तो दाढ़ धुनी वालों की नगरी सांईखेड़ा क्षेत्र के लोगों का बड़ा ही सौभाग्य है जिसके चलते शिक्षा के क्षेत्र में पहली बार इस तरह से राज्य स्तरीय आयोजन होते हुये देखा जा रहा है। निश्चित तौर से गौर किया जावे तो यह सौभाग क्षेत्र के विद्यार्थक व प्रदेश के शिक्षा मंत्री राय उदय प्रताप सिंह के प्रयासों के परिणाम से इकर नहीं किया जा सकता है..? नगर सांईखेड़ा के सांदिपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी 2025-26 का आज से राज्य स्तरीय दो दिवसीय आयोजन आज 20 एवं कल 21 अगस्त को किया जा रहा है। आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। वहीं विद्यालय को सजाते हुये एक नई दृष्टन की तरह तैयार किया गया है। बताया जाता है कि इस आयोजन में विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान के उत्कृष्ट मॉडल होंगे प्रदर्शित, 260 विद्यार्थी और 124 मार्गदर्शक शिक्षक होंगे शामिल होंगे। इस तरह प्रदेश के विभिन्न संभागों से चरनित विद्यार्थी अपने नवाचार एवं वैज्ञानिक सोच पर आधारित प्रोजेक्ट्स के माध्यम से प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन आज 20 अगस्त को प्रातः 10-30 बजे सांदिपनि विद्यालय परिसर में होगा। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में



तथा नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सचिन अगवाल अध्यक्षता करेंगी। वहीं पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रदर्शनी में प्रदेश के विभिन्न संभागों से चरनित प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रोजेक्ट्स राज्य स्तर पर प्रदर्शित किए जायेंगे। इसके साथ ही विद्यार्थी गीत, सेमिनार, लघु नाटिका, प्रश्नमंच सहित विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा एवं कौशल का प्रदर्शन करेंगे। राज्य स्तरीय आयोजन में प्रत्येक जेन से 26-26 विद्यार्थी सहभागिता करेंगे। इसके अलावा प्रत्येक जिले से एक पुरुष एवं एक महिला मार्गदर्शक शिक्षक तथा संभागीय डाइट से एक पुरुष एवं एक महिला शिक्षक सहित कुल 260 विद्यार्थी एवं 124 मार्गदर्शक शिक्षक सहभागिता करेंगे। प्रदेश के विभिन्न संभागों से विद्यार्थियों एवं मार्गदर्शक शिक्षकों के दलों का सांईखेड़ा पहुंचना शुरू हो गया है। इस तरह ट्रेन एवं सड़क मार्ग से पहुंचने वाले दलों की आयोजन समिति के परिवहन दल द्वारा अगवाणी कर उन्हें निर्धारित आवास स्थलों तक पहुंचाया जा रहा है। इस आयोजन को व्यवस्थित एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह द्वारा 19 समितियों का गठन किया गया है। आयोजन समिति की नोडल अधिकारी एसडीएम गाडरवारा श्रीमती प्रगति वर्मा को बनाया गया है। गठित समितियों में प्रमारी

अधिकारियों के साथ शिक्षकों एवं कर्मचारियों की इस्टी लगाई गई है। वहीं प्रतिभागियों के ठहरने की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर ली गई है। बालक वर्ग के लिए सांदिपनि विद्यालय तथा बालिका वर्ग के लिए कमला पैलेस में आवास व्यवस्था की गई है। प्रतिभागियों के भोजन की व्यवस्था सांदिपनि विद्यालय की मेस में की गई है। आयोजन को लेकर बीते हुये बुधवार शाम राज्य शिक्षा केंद्र के कोऑर्डिनेटर सुनील श्रीवास्तव एवं विपिन वर्मा सहित जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, डीपीसी प्रदीप चतुर्वेदी, बीईओ श्रीमती सीमा डोंगरे, एपीसी मनीष चौकसे एवं समीर त्यागी, बीआरजी सदीप स्थापक, डीके. पटेल एवं विद्यालय के प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। वहीं अधिकारियों ने प्रतिभागियों के आवास, भोजन, परिवहन, प्रदर्शनी स्थल सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आयोजन को बेहतर एवं सुव्यवस्थित बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये हैं। वहीं सांईखेड़ा में पहली बार आयोजित हो रहे इस राज्य स्तरीय आयोजन को लेकर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय नागरिकों में उत्साह है। प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता, नवाचार एवं समस्या समाधान की क्षमता को राज्य स्तर पर प्रदर्शित कराने का अवसर मिलेगा। आयोजन समिति ने क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, अभिमावकों एवं आमजन से उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित होकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

पशु केन्द्रों में आये दिन लटके दिखाई पड़ रहे ताले, बारिश सीजन में फैलती है बीमारी

हरिभूमि न्यूज़/गाडरवारा। शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य करने वाले लोगों को उनके पालतू पशुओं का जरूरत पड़ने पर समय समय पर इलाज होने के साथ साथ पशु संबंधी जरूरी जानकारीयें प्राप्त करने के लिए जहां तहां पशु केन्द्र स्थापित किये गये हैं। मगर देखा जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित इन पशु केन्द्रों में अधिकांश समय मात्र ताला लटका होने के कारण जहां यह मात्र शोभा की सुपारी बन कर रहे गये हैं? वहीं दूसरी ओर इन पशु केन्द्रो के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को कोई लाभ मिलता हुआ जान नहीं पड़ रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में बने हुये पशु चिकित्सा केन्द्र सहित अन्य ग्रामों में स्थापित केन्द्रों में भी देखने मिल रही है, जहां पर बताया जाता है कि जब क्षेत्र के नागरिक जरूरत पड़ने पर अपने पशुओं को लेकर यहां पर पहुंचते हैं तो वहां पर मात्र ताला लटका हुआ ही मिलने के कारण वह निराश होकर बापिस हो जाते हैं। जबकि गौर किया जावे तो इस समय चल रहे बारिश के दौर में पशुओं में अनेक प्रकार की बीमारी फैलने का भय रहता है, इस संबंध में क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यहां पर पदस्थ अधिकारी कर्मचारी के दर्शन हो पाना मुश्किल होने के कारण न तो क्षेत्र के लोगों को पशु संबंधी जरूरी जानकारीयें मिल पा रही है और नही पशुओं को जरूरत पड़ने पर स्वास्थ्य सेवाएं जिसके चलते क्षेत्र के लोग परेशान हो रहे हैं।



क्षेत्र के विकास की गति को जारी रखने उदय प्रताप सिंह ने स्वीकृत कराई 10 करोड़ की राशि

हरिभूमि न्यूज़/गाडरवारा। अपने विधान सभा क्षेत्र में शहर हो या फिर ग्रामीण क्षेत्र के गांव क्षेत्र के व्वाधायक व प्रदेश के शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह द्वारा विकास के लिये कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। क्योंकि जिस भरोसे के साथ क्षेत्र की जनता द्वारा उन पर विश्वास जताया गया था वह उस विश्वास को हकिकत में बदलने के चलते क्षेत्र में विकास की गंगा को अवरिल रखते हुये देखे जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि उन्होंने अपने क्षेत्र में आधा दर्जन सड़को के निर्माण को 10 करोड़ की राशि स्वीकृत कराते हुये एक बड़ी सौगात प्रदान की गई है। बताया जाता है कि उनकी यह ़्वासवादी व जनता की सेवा करने वाली सोच के चलते गाडरवारा विधानसभा निर्णर विकास के नए आयामों को तय कर रही है। और क्षेत्र में चहुमुखी विकास की बयार बह रही है। विधानसभा क्षेत्र के ढांचागत विकास में कोई कोर कसर नहीं रखी जा रही है।



क्षेत्र में विकास कार्यों के निर्माण निरंतर जारी हैं। इसी के चलते क्षेत्र में सड़कों के विकास के क्रम में विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा लाभग 10 करोड़ की लागत की छह महत्वपूर्ण सड़कें स्वीकृत की गई हैं।

स्वीकृत होने वाली सड़को में बाई चीचली ब्लाक में बैरागढ़ से राजीव नगर तक 0.90 किमी सड़क, सांईखेड़ा ब्लॉक के अंतर्गत सिरसिरी से हरि. टोला तक 0.62 किमी सड़क, ग्राम दिगसरा से ईंदिरा आवास टोला तक 1.40 किमी सड़क, ग्राम अजंदा रोड से कुशार टोला तक 3.40 किमी सड़क तथा

ग्राम बरहटा से कहार टोला 1.45 किमी सड़क व ग्राम तूंमड़ा से काछी टोला तक 1.45 किमी सड़क स्वीकृत की गई हैं। बताया जाता है कि इन सड़को के निर्माण के प्लये क्षेत्र के विवाधायक व प्रदेश के शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह द्वारा प्रदेश के मुखिया डा मोहन यादव से लगभग 10 करोड़ की राशि स्वीकृत प्राप्त कराई गई है।

गाड़ियों में लगे नये नये हॉर्न कर रहे राहगीरों को परेशान

हरिभूमि न्यूज़/सांईखेड़ा। नगर में इन दिनों दिन प्रतिदिन बढ़ती वाहनो की संख्या भी यातायात व्यवस्था को बाधित करने में लगी हुई है, वहीं इन वाहनो में तरह तरह के लगे हॉर्न जो आम राहगीरों को परेशान करते नजर आ रहे हैं, बेवारे आम राह पर चलने वाले राहगीर ही ऐसे वाहनो के पास से निकलते ही अपने कान बंद करना वैकल्प समझते हैं, क्योंकि इसे रोकने हेतु प्रशासन द्वारा तो कोई विशेष पहल की नहीं जा रही है जिससे ऐसे कान फोड़ हॉर्न से आमजनो को रहत मिल सके। शहर में कई बाइकों में तो पुलिस सायरन जैसे हॉर्न लगे हुए हैं, जिनके आम रास्ते से निकलने पर आमजन एकदम तो सहम जाते हैं। लेकिन इससे आमजनो को कितनी परेशानी उठानी पड़ती है

मण्डी एवं नपा काम्प्लेक्स दुकानदारों पर लाखो रुपया राशि बकाया

हरिभूमि न्यूज़/गाडरवारा। स्थानीय जवाहर कृषि उपज मंडी द्वारा अपनी राजस्व आय बढ़ाने शांपिंग काम्प्लेक्स दुकानों का निर्माण कराया गया था। लेकिन जिसमें कृषि उपज मण्डी द्वारा 152 दुकानों का निर्माण कराया गया था तथा नगर पालिका द्वारा संजय गांधी मार्केट में 13 दुकाने, गांधी मार्केट में 11 दुकाने व इंदिरा शांपिंग काम्प्लेक्स में 64 दुकाने तथा कामथ काम्प्लेक्स में 24 दुकाने, पं. दीनदयाल बस स्टैंड में 10 दुकाने, चीचली रोड पर स्थित काम्प्लेक्स में 10 दुकानों का निर्माण कराया गया था। जिसमें से इन शांपिंग दुकानों में से 126 दुकाने नगर पालिका द्वारा किराये से दी गई हैं। मगर इस सब में मजेदार बात तो यह है कि कुछ लोगों द्वारा इन दुकानों को अपनी जगह व्यवस्था के चलते किराये से लेकर अन्य दूसरे को किराय दे रहे रखी है, जिनका किराया विगत लम्बे समय से न तो मंडी कार्यालय में जमा हो रहा है और न ही नपा में जिसके कारण इस समय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंडी प्रशासन को दुकानदारों से 30 लाख रूपया से ऊपर तथा नगर पालिका प्रशासन को कई लाख रूपया से ऊपर की राशि इन दुकानदारों से किराय के रूप में लेना बाकी निकल रहा है..? इन दुकानदारों में कुछ दुकानदारो की स्थिति तो कुछ इस प्रकार से बताई जाती है कि जिनका किराया लाख रूपया से ऊपर है। वहीं मंडी एवं नगर पालिका प्रशासन द्वारा बकाया किराया वाले दुकानदारों पर नियमानुसार नोटिस देकर दुकान खाली कराने का अधिकार होने के साथ साथ किसी शासकीय संपत्ति के संबंध में बताया जाता है कि जो व्यक्ति यदि किराय से लेता है तो उसका उपयोग वही करता है किरायदार को किराय से देने का अधिकार नहीं होता है मगर इसके बाद भी अनेक दुकान नियाम के खिलाफ किरायदार से किरायदार के रूप में चल रही है, लेकिन आज तक ऐसी कोई कार्यवाही मंडी एवं नगर पालिका प्रशासन द्वारा की नहीं गयी।

पौधों के साथ प्लेटफार्म भी हो रहे हैं गायब, हर वर्ष लाखों खर्च होने के बाद भी दर्शन नहीं दे रहे पेड़

हरिभूमि न्यूज़/ सांईखेड़ा। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत क्षेत्रवासियों की उम्मीद थी कि इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में लगाए जा रहे पेड़ों से क्षेत्र हरित जिले में स्थान पा सकेगा। लेकिन आलम यह है कि लगाए गए पेड़ तो गायब ही हैं साथ ही उनके लिए बने प्लेट फार्म भी लगभग गायब होते जा रहे हैं। इस सच्चाई को देखते हुये क्षेत्रवासियों का यह समना ग्राम पंचायतों के पिछली पचवर्षीय के दौरान सरपंच, सचिवों एवं योजना को लागू करने वाले अधिकारी एवं उपचारियों की मनमानी की भेंट चढ़ गया है? जानकारी के अनुसार क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में वर्तमान समय तक बहुधिकल 20 प्रतिशत भी पेड़ सुरक्षित नहीं मिल पायेगे? अधिकतर ग्राम पंचायतों का हाल यह है कि लगभग सारे पेड़ सूख चुके हैं और उनके लिए बनाए गए प्लेट फार्म टूटकर बिखरने लगे हैं। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को काम देने और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से बड़ी संख्या में पेड़ लगाए गए थे, जिसके लिए करोड़ों रूपये का बजट खर्च किया गया है। वहीं इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में वृक्षारोपण, वृक्षों की सुरक्षा एवं सिंचाई पर लगभग लाखों रूपये की राशि खर्च की जा चुकी है, लेकिन इस खर्च का कोई मत्तलब नहीं दिखाई दे रहा है? बीते हुए वर्षों में इस योजना के अंतर्गत तहसील के लगभग प्रत्येक ग्राम पंचायतों में पौधे लगाने के लिए राशि उपलब्ध कराई गई थी। वहीं ट्रि ग्रांट के निर्माण कार्यों में अनेकों ग्राम पंचायतों में जो गवर्नर बाजी बरती गई है जिसका जीता जातना उदाहरण जनपद पंचायत चीचली, सांईखेड़ा व चावरपाठा



की अनेक ग्राम पंचायत में आसानी से देखने मिल सकता है जहां पर बीते हुये पांच वर्षों के कार्यकाल के दौरान जहां हरित क्रांति के नाम पर लाखों रूपया खर्च होने के बाद भी हरियाली को छोड़ कर एक नजर नहीं आ रही है? इस सख में हेरत की बात तो यह है कि क्षेत्र के आला अधिकारी भी इस विषय की जानकारी रखते हुये भी इस ओर कड़े कदम उठाने की बजाय चुप्पी साधें हुये हैं? यह ग्राम पंचायतों के माध्यम से बीते हुये पांच वर्ष के कार्यकाल में पैसा रोपण के नाम पर जो राशि खर्च की गई है उसकी निष्ठा के साथ जांच की जावे तो निश्चित ही अनेक पंचायतों के सरपंचों की सच्चाई उमरकर सामने आने से नहीं बच पायेगी।

क्षेत्र की पंचायतों में हुये निर्माण कार्यों की जांच से उजागर हो सकती है गुणवत्ता की सच्चाई...?

हरिभूमि न्यूज़/सालीचौका। जिस प्रकार से लोग अपनी ग्राम पंचायतों में किसी जनप्रतिनिधि का चुनाव करती है तो उसे उससे काफी उम्मीद रहते हुए ग्राम के विकास की बात जोही जाती है। मगर अक्सर देखा जाता है कि कुर्सी मिलने के बाद वह ग्राम विकास को भूलकर सिर्फ अपनी विकास की ओर ध्यान देने से नहीं चूकता है? इस बात की सच्चाई चार साल पहले ग्राम पंचायतों के पूर्व सरपंचों के कार्यकाल खत्म होने के बाद जब नई पंचायतों का गठन हुआ तो ऐसा जान पड़ा की शायद अब ग्रामों की तस्वीर बदल जावेगी..? मगर ऐसा कुछ हुआ जान नहीं पड़ रहा है और चार वर्ष से अधिक का बीत चुके है यदि पूर्व के समय के सरपंचो के कार्यकाल पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा किये गये भ्रष्टाचार को लेकर अनेक ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली के खिलाफ आज भी अंगुली उठ रही रही है? सरपंचों के खिलाफ शिकायतों का आनवत सिलसिला जारी है, जिम्मेदार अधिकारियों के पास ऐसी अनेक शिकायतें निराकरण की बात जोह रही है जिनकी यानि निष्ठा के साथ जांच हो जावे तो पंचायतों में हुए घोटालों की सच्चाई सामने आ सकती है? कैसे सच यह भी है कि यदि प्रशासन इन शिकायतों के प्रति गंभीर रूप अखिरवार करता तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचो को पूर्व में डकारी गई शासकीय राशि अपने घर से चुकानी पड़ सकती है।

दरअसल ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य सबसे अधिक शिकायतों के केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं? निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने की शिकायत आम तौर पर है क्योंकि सरपंचों के पास पांच लाख रूपये तक के निर्माण कार्य किये जाने का अधिकार था, जिसका उन्होंने खुलेआम दुरुपयोग करते हुए अनेक पंचायतों में गुणवत्ताहीन किये गये निर्माण कार्य आज खुली गवाही दे रहे हैं, भले ही इन निर्माण कार्यों का मूल्यांकन तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अपनी जुगाड़ व्यवस्था के साथ करा दिया गया हो,परंतु कतिपय यंत्रों और उपकरणों की मिली भगत भी इनमें रही है यही कारण है कि मूल्यांकन के निर्माता को तो बेहत निर्माण कार्य का हुआ है परंतु निर्मित कार्य घटिया हो साबित हो रहे है? जिनकी सच्चाई वह निर्माण कार्य स्वयं ही बता रहे है? इतनी ही नहीं कुछेक ग्राम पंचायतों में तो यह आरोप भी लगाया जाता है कि निर्माण हुआ ही नहीं और पैसा खर्च हो गया, वैसे ऐसे आरोपों की तत्काल और गंभीरता से जांच होनी चाहिये, जिससे पूर्व के सरपंचों की खाई हुई मलाई ऊपर आ जावे तथा वर्तमान जनप्रतिनिधि उनके नक्शे कदम पर न चले, अपेक्षा है कि क्षेत्र के जनपद पंचायत चीचली, सांईखेड़ा क्षेत्र में पूर्व सरपंचों के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यों की जांच की जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाली सच्चाई आने से नहीं रूक सकती है।

खबर संक्षेप

बीएसी-जनशिक्षकों की पदस्थापना को लेकर शिक्षक संघ ने उठाई आवाज

शहपुरा। जिले में बीएसी एवं जनशिक्षकों की पदस्थापना का मामला एक बार फिर चर्चा में है। राज्य शिक्षक संघ मध्यप्रदेश ने जिला कलेक्टर को पत्र सौंपकर लंबे समय से बीएसी एवं जनशिक्षक के पद पर कार्यरत शिक्षकों को उनकी मूल शाला में वापस भेजकर शैक्षणिक कार्य में पदस्थ करने की मांग की है।संघ की ओर से 19 अगस्त 2026 को जारी पत्र क्रमांक 201/2026 में राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के पूर्व एवं हालिया निर्देशों का हवाला देते हुए कहा गया है कि जिले में बीएसी एवं जनशिक्षकों की पदस्थापना काउंसिलिंग के माध्यम से की जानी है। संघ ने शासन की मंशा के अनुरूप चार वर्ष से अधिक समय से बीएसी अथवा जनशिक्षक के रूप में कार्यरत शिक्षकों को उनकी मूल शाला में वापस भेजने की मांग की है। पत्र में यह भी मांग की गई है कि 52 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके बीएसी एवं जनशिक्षकों को काउंसिलिंग में शामिल नहीं किया जाए। संघ का कहना है कि डिंडोरी जिले में कई बीएसी एवं जनशिक्षक पिछले 10 से 15 वर्षों से उच्च कार्यालयों में कार्यरत हैं। ऐसे शिक्षकों को चिन्हित कर मूल शाला में वापस भेजा जाना चाहिए, ताकि वे विद्यालयों में विद्यार्थियों को पढ़ाने का कार्य कर सकें।शिक्षक संघ ने मांग की है कि लंबे समय से उच्च कार्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को मूल शाला भेजने के बाद रिक्त होने वाले बीएसी एवं जनशिक्षक के पदों पर नए शिक्षकों की पदस्थापना की जाए। साथ ही ऐसे शिक्षकों को रिक्त पदों पर दोबारा प्रभाी के रूप में जिम्मेदारी नहीं दिए जाने की मांग भी की गई है।संघ ने कलेक्टर से शासन के निर्देशों के अनुरूप इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है। पत्र की प्रतिलिपि आयुक्त, राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डिंडोरी तथा परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा अभियान, जिला शिक्षा केंद्र डिंडोरी को भी भेजी गई है।शिक्षक संघ की इस मांग के बाद जिले में बीएसी एवं जनशिक्षकों की पदस्थापना का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। अब जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की ओर से इस संबंध में क्या कार्रवाई की जाती है, इस पर शिक्षकों और शिक्षा जगत की नजर बनी हुई है।

आबकारी विभाग की कार्रवाई में अवैध शराब का प्रकरण दर्ज

डिंडोरी। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं बिक्री पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर अंजु पवन भदौरिया के निर्देश और जिला आबकारी अधिकारी पतरस बड़ा के मार्गदर्शन में 18 अगस्त 2026 को आबकारी विभाग वृत्त डिंडोरी की टीम ने अवैध शराब के खिलाफ दबिश देकर एक प्रकरण दर्ज किया।उप निरीक्षक सम्हर सिंह धुवें के नेतृत्व में आबकारी आरक्षक



मनीष उड्के, करिशमा सलामे, यमन बरावी, सुनील कुमार डोगरे, नगर

सैनिक तोक सिंह मरावी एवं वाहन चालक कुलदीप उड्के की टीम ने

इटोरिया, निवासी ग्राम घानाघाट के कब्जे से 32 पाव मेकडब्ल्यू नंबर-1

अवैध शराब रखने एवं बिक्री की शिकायतों के आधार पर ग्राम घानाघाट स्थित अनमोल ढाबा पर कार्रवाई की।कार्रवाई के दौरान आरोपी सुरेश कुमार पिता ओमकार

द्विस्की, 20 पाव मेकडब्ल्यू नंबर-1 रम, 32 पाव ओल्ड मोंक रम, 107 पाव रॉयल सिलेक्ट रम, 28 बोतल किंगफिशर बीयर तथा 37 केन बीयर बरामद की गई।बरामद शराब की कुल मात्रा 71.08 बल्क लीटर बताई गई है, जिसकी अनुमानित कीमत 44,041 रुपये है। आबकारी विभाग ने मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क)(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रशासनिक व्यवस्था में फेरबदल दो नायब तहसीलदारों की नई पदस्थापना



डिंडोरी। जिले में प्रशासनिक व्यवस्था को और सुचारू बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर अंजु पवन भदौरिया ने दो नायब तहसीलदारों की नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। आदेश के तहत अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।जारी आदेश के अनुसार नायब तहसीलदार देवेन्द्र कुमार सिंगोर, जो वर्तमान में तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन, डिंडोरी का प्रभार संभाल रहे थे, को नायब तहसीलदार बजाग का संपूर्ण प्रभार सौंपा गया है।इसी तरह नायब तहसीलदार देवाशरण सिंह नेताम, जो कार्यालय तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन, डिंडोरी में पदस्थ थे, को नायब तहसीलदार वृत्त करीजया के पद पर पदस्थ किया गया है।कलेक्टर ने प्रशासनिक कार्यों के बेहतर संचालन और राजस्व संबंधी कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन को ध्यान में रखते हुए यह पदस्थापन किया है। जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।



वर्षों पुराना जल संकट हुआ दूर , बैगा परिवारों को मिली बड़ी राहत दुर्गम वनांचल के चंद्रागढ़ में पहली बार घर-घर पहुंचा नल से जल



डिंडोरी। डिंडोरी जिले के दुर्गम वनांचल क्षेत्र में बसे वनग्राम चंद्रागढ़ के ग्रामीणों के लिए जल जीवन मिशन बड़ी राहत और नई उम्मीद लेकर आया है। वर्षों से पेयजल संकट का सामना कर रहे ग्रामीणों के घरों में अब पहली बार नल से शुद्ध पेयजल पहुंचा है। महज चार माह में नल-जल योजना का कार्य पूरा कर इसे ग्रामीणों के लिए शुरू किया गया, जिससे गांव के लोगों को पानी के लिए होने वाली रोजमर्रा की मशक्कत से राहत मिली है।

झिरिया और गड्डों से पानी लाने की मजबूरी खत्म नल-जल योजना का सबसे बड़ा लाभ गांव में रहने वाले बैगा जनजातीय परिवारों को मिला है। योजना से पहले ग्रामीण पेयजल के लिए दूर स्थित झिरिया और छोटे-छोटे गड्डों पर निर्भर थे। गर्मी के दिनों में पानी की उपलब्धता और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती थी। महिलाओं और बच्चों को पानी जुटाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। अब घर के आंगन में नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध होने से

वर्षों पुरानी परेशानी दूर हो गई है। इससे महिलाओं और बच्चों का समय बचेगा और उनके दैनिक जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आएगा। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और चुनौतीपूर्ण पहुंच के बावजूद जल जीवन मिशन के तहत चंद्रागढ़ की नल-जल योजना को महज चार माह में पूरा किया गया। त्वरित क्रियान्वयन और प्रभावी निगरानी के जरिए योजना को धरातल पर उतारकर घर-घर पेयजल पहुंचाया गया। यह उपलब्धि दर्शाती है कि मजबूत इच्छाशक्ति और बेहतर कार्ययोजना के साथ दुर्गम क्षेत्रों में भी मूलभूत सुविधाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाया जा सकता है।

वनांचल में विकास को मिली गति

वनांचल क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में चंद्रागढ़ की यह उपलब्धि महत्वपूर्ण मानी जा रही है। झिरिया बहरा और उदैर के बाद अब चंद्रागढ़ में भी नल-जल योजना के सफल क्रियान्वयन से क्षेत्र में पेयजल सुविधाओं का विस्तार हुआ है। ग्रामीणों के घर तक नल से पानी पहुंचना केवल पेयजल सुविधा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि बेहतर और सम्मानजनक जीवन की



दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

स्वास्थ्य और स्वच्छता को मिलेगा लाभ

घर में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता से ग्रामीण परिवारों की स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र में भी लाभ मिलने की उम्मीद है। पानी लाने में खर्च होने वाला समय बचने से ग्रामीण अपने रोजगार, खेती-बाड़ी और अन्य जरूरी कार्यों पर अधिक

ध्यान दे सकेंगे। विशेष रूप से महिलाओं के लिए यह सुविधा दैनिक जीवन को आसान बनाने वाली साबित होगी।चंद्रागढ़ में जल जीवन मिशन का सफल क्रियान्वयन दुर्गम एवं अदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। घर-घर नल से जल पहुंचने से ग्रामीणों के जीवन में सुविधा के साथ-साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक विकास की नई संभावनाएं भी मजबूत हुई हैं।



साकुल नदी उफान पर, मानिकपुर- सरासवाही मार्ग पर आवागमन टप

कई गांवों का शहपुरा तहसील मुख्यालय से संपर्क प्रभावित

शहपुरा। लगातार हो रही बारिश के चलते मानिकपुर-सरसवाही मार्ग पर स्थित साकुल नदी एक बार फिर उफान पर आ गई है। नदी का जलस्तर बढ़ने से पुल के ऊपर पानी आ जाने के कारण मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया है। इससे आसपास के कई गांवों का शहपुरा तहसील मुख्यालय से संपर्क प्रभावित हुआ है। नदी में तेज बहाव के चलते ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दौरान सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, मरीजों, किसानों और रोजमर्रा के कार्यों के लिए तहसील मुख्यालय

आने-जाने वाले ग्रामीणों को उठानी पड़ रही है। वहीं पशुपालकों के लिए भी चौपाया पशुओं को नदी पार कराना जोखिम भरा हो गया है। वर्षों से पुल ऊंचा करने की मांग ग्रामीणों के अनुसार साकुल नदी पर बना पुल बारिश के दिनों में जलस्तर बढ़ते ही डूब जाता है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए ग्रामीण पिछले कई वर्षों से पुल को ऊंचा करने अथवा नदी पर सुरक्षित एवं ऊंचे पुल का निर्माण कराने की मांग करते आ रहे हैं। इसके बावजूद अब तक इस दिशा में प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रत्येक वर्ष बारिश के मौसम में यही स्थिति बनती है। नदी में पानी बढ़ते ही आवागमन बंद हो जाता है और क्षेत्र के लोगों को तहसील मुख्यालय

पहुंचने में परेशानी होती है। इसके बावजूद समस्या के स्थायी निराकरण की दिशा में जिम्मेदार विभाग द्वारा ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से साकुल नदी पर ऊंचे और सुरक्षित पुल का निर्माण कराने अथवा वर्तमान पुल को ऊंचा करने की मांग की है। उनका कहना है कि स्थायी समाधान होने से बारिश के दौरान गांवों का तहसील मुख्यालय से संपर्क नहीं टूटेगा और स्कूली बच्चों, मरीजों, किसानों सहित आम ग्रामीणों को राहत मिलेगी।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बारिश के मौसम में उत्पन्न होने वाली इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में आवागमन बाधित होने की स्थिति से बचा जा सके।

लगातार बारिश के बीच कलेक्टर ने नर्मदा पुल और डेम घाट का किया निरीक्षण

डिंडोरी। जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए कलेक्टर अंजु पवन भदौरिया ने बुधवार को जोगीटिकरिया स्थित नर्मदा नदी पुल तथा डिंडोरी के पुल नर्मदा डेम घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने नदी के बढ़ते जलस्तर और पुल-घाट की स्थिति का मौके पर जायजा लिया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुरक्षा ईंतजाम सुनिश्चित करने और लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने अधिकारियों से बारिश के कारण उत्पन्न संभावित परिस्थितियों को लेकर सतर्क रहने तथा नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों पर विशेष नजर रखने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में आमजन की सुरक्षा से समझौता न हो और आवश्यकता पड़ने पर



बारिश में बढहाल हुआ पटवारी भवन और जिला अभिलेख, लोक सेवा केंद्र का रास्ता

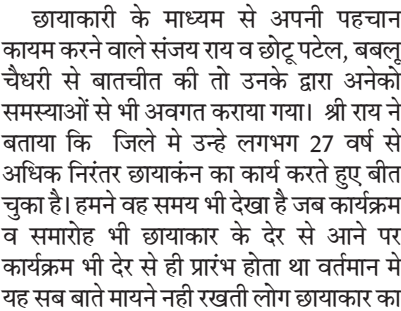
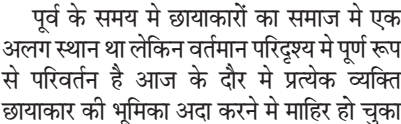


अनूपपुर। जिला मुख्यालय स्थित पुराने तहसील भवन के पीछे पटवारी भवन एवं जिला अभिलेख लोक सेवा केंद्र तक पहुंचने वाला मार्ग बारिश के कारण इन दिनों बढहाल हो गया है। मार्ग पर जगह-जगह कीचड़ और पानी भर जाने से आम नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवश्यक शासकीय कार्यों के लिए यहां पहुंचने वाले लोगों को खराब रास्ते के कारण काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग की समस्या कई नहीं हैं। लंबे समय से यहां पक्की सड़क अथवा व्यवस्थित आवागमन की सुविधा का अभाव बना हुआ है। सामान्य दिनों में किसी तरह लोग इस रास्ते से आवागमन कर लेते हैं, लेकिन बारिश के मौसम में स्थिति बेहद खराब हो जाती है। पानी और कीचड़ के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। पटवारी भवन और जिला अभिलेख लोक सेवा केंद्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक अपने दस्तावेजों, अभिलेखों और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में

खराब मार्ग के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और अन्य जरूरतमंद नागरिकों के लिए यह रास्ता बारिश में जोखिम भरा बना हुआ है। एडवोकेट जयंत राव ने जिला प्रशासन का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित करते हुए मार्ग पर तत्काल इस्‍ट अथवा मुरुम डालकर उसे आवागमन योग्य बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि स्थायी रूप से सड़क निर्माण की व्यवस्था होने तक कम से कम बारिश के मौसम में अस्थायी सुधार कार्य कराया जाना जरूरी है, ताकि नागरिकों को कीचड़ और जलभराव के बीच आवागमन करने के लिए मजबूर न होना पड़े। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को तत्काल निर्देश जारी किए जाएं और मार्ग का मरम्मत, समतलीकरण तथा जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए। इससे जिला अभिलेख लोक सेवा केंद्र और पटवारी भवन तक पहुंचने वाले नागरिकों को बारिश के दौरान राहत मिल सकेगी।

खबर संक्षेप

वर्तमान मे समूचे समाज को यादों के बंधनों व कार्यक्रमों व समारोहों की खट्टी मीठी यादों के पल्लों को यादगार बनाये रखने वाले छायाकारों का भविष्य वर्तमान मे आधुनिक तकनीकी साधनों के चलते भविष्य मे अंधकार का खतरा मंडराता नजर आता है। छायाकारों के सम्बन्ध नित नई चुनौतियाँ सामने आ रही है। उनके परिवार के पालन पोषण मे भी खतरा नजर आने लगा है। वर्तमान परिवेश मे

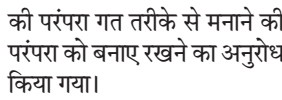


इंतजार नहीं करते यह समय का बदलाव है। मोबाइल ने इस स्थिति को काफी हद तक कम कर दिया है। शायद आज ऐसे फोटोग्राफर के रूप में जाने जाते हैं नगर व जिले में राजनीतिक धार्मिक सामाजिक कोई भी क्षेत्र हो अपनी उपस्थिति दर्ज कराने से पीछे नहीं रहते जिसके कारण आज फोटोग्राफर में उनकी इस कार्य प्रणाली को हर व्यक्ति से सख्ताहना मिलती है। अखबारों में श्री राय के द्वारा खींची गई फोटो का ही प्रकाशन अनेकों वर्षों से किया जाता है। मीडिया जगत में फोटोग्राफर संजय राय का बड़ा ही योगदान हमेशा रहता है। सभी कार्यक्रमों की फोटो खींचकर सभी अखबारों के कार्यलयों तक पहुंचाना का काम भी इनके द्वारा निरंतर किया जाता है।

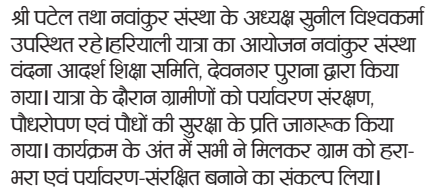
आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत साथ निभाना गतिविधि का माध्यम से मास्टर ट्रेनर मुक्ति तथा महिलाओं के साथ संवाद स्थापित किया गया तथा उन्हें यह एहसास कराया गया कि मानवता का अर्थ केवल किसी की सहायता करना ही नहीं, बल्कि किसी को सम्मान देना, उसकी बात सुनना और कहने समय में उसके साथ खड़े रहना भी है। कार्यक्रम में सावनों की थीम को भी विशेष रूप से शामिल किया गया। महिलाओं के लिए मेहेदी, महावर बिंदी एवं सावनों से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन मास्टर ट्रेनर यमुना विध्वक्त्रा द्वारा किया गया।

अपील की है कि वे अपने साथ पुरानी जांव रिपोर्ट एवं अन्य मैकेलल दस्तावेज अन्वेष्य लेक्टर आइ.एन.आर. रहंगा विशेष सहायक के आश्रय में श्रीधाम हॉस्पिटल, अहिल भारतीय दिगंबर जैन महिला परिषद, डॉ. कनिष्ठा जैन, डॉ. प्रियंका जैन, एस.एस.सी.सी. गुप, रोहित विलवार, सदीप जैन, अमय (पत्रकार), अनिल टेंट, डॉ. श्रीकांत पटेल, अनिल जैन (पत्रकार), गुगुन विक्कवर्मा, राजीव मिश्रा, कपिल नायक, आदि जैन सहित श्रीधाम हॉस्पिटल के समस्त नर्सिंग स्टाफ का विशेष सहायक रहंगा शिविर के आश्रय को चोरी परितार एवं विकास गुप ऑफ इंडस्ट्रीज के चौधरी राजेश जैन, चौधरी सुनील जैन, चौधरी विभाषा जैन, मुकेश विलवार एवं चौधरी मोहित जैन ने क्षेत्र की जनता से शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

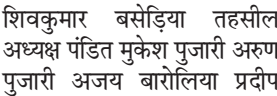
पिगत दिवस शिक्षक संघ द्वारा
 लाल अथर्वशक्त सत्य प्रकाश व्यापक
 लाला सचिव कमलेश कुमार
 वास्वास्व एवं अन्य वरिष्ठ
 शिक्षकियों की उपस्थिति में
 लेक्टर के नाम जापान सौंपा गया
 सचिव शैक्षिक संवर्ग की विभिन्न
 लाला स्त्रीय लंबित समस्याओं के
 प्रश्न एवं उचित समाधान हेतु की
 गये है। यह है। जापान में बताया
 है कि कजाजिया पर्व पर
 नानीय अवकाश घोषित करने की
 ग रहीं। संचय ने बताया कि पुनः
 में कजाजिया पर्व पर स्थानीय
 अवकाश घोषित होता रहा है।



मेटागव के तत्त्ववाधान में बरहटा सेक्टर अंगेगत ग्राम परिषदा खा शेड में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विकाससहित समन्वयक प्रतीक कुमार दुबे ने विशेष पथ में सहभागिता को ब्रह्म अवसर पर उन्होंने नवांकुर सखियों एवं ग्रामीणजनों के साथ पर्यावरण संरक्षण तथा नवांकुर सखी योजना के तहत विस्तार से चर्चा की। श्री दुबे ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार है। केवल पौधों का प्रयोग करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों को सुरक्षा एवं उनका संरक्षण करना भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण ही एकमात्र वास्तविकता है जो पर्यावरण को सुरक्षित रखती है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों से अधिक से अधिक पैसे लगाने और उनकी देखभाल का संवर्धन लेने का आह्वान किया है। यह मौजूदाकाल में परामर्शदाता विजय पटेल, ग्राम विकास प्रसफुटन समिति खापा शेड के अध्यक्ष, सचिव एवं पद्धतिकरण, सौभाग्य यादव, पंचय यादव, वन समिति अध्यक्ष



शा में सर्व ब्राह्मण महासभा देखे। जिसमें महासभा के पहलू इसील क्षेत्र में 1100 पौधारोपण के का संकल्प लिया है। इस महानगर का विधिवत शुभारंभ प्रसिद्धि मंदिर परिसर एवं प्रतिष्ठित बाबा आश्रम से किया गया। पदधिकारियों प्रमुखमान्य नागरिकों और आश्रम के गरीमाययी उपस्थिति के गरीमाययी रोपा गया। वृक्षारोपण के संयोजक पंडित



तिनगुरिया सौरभ पाठक श्रीकांत
बाजपेई मनोज दुबे तथा नीरज
बाजपेई प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अरविंद नौरिया का निधन
हरिमूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस नगर पालिका के मनोनीत पार्षद अरविंद नौरिया पप्पू का निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया जहाँ पर समाज के सभी वर्गों द्वारा जलपावलि दी गई।